

पञ्जावली पत्रक दुम्मी । प्राचीनगण व वकील  
 प्राचीन अनुपस्थित । त्वा-त्वा आवाज  
 लजावली गम । आवाज लजावली के उपरान्त  
 भी प्राचीनगण की आरे से कोई उपस्थित  
 नहीं आया । इतः प्राचीनगण का प्राचीन पत्र  
 आदि सगरी आदि पत्रों में खाली स्थान  
 जाता है । पञ्जावली पत्रिका शुभ होकर  
 नाम्बर से कठ होकर दफ्तर दाखिल है ।

(बृजेश कुमार)  
 उपखण्ड अधिकारी  
 नीमकाथाना (सीकर)